बालमन

Powered by Teachers of Bihar

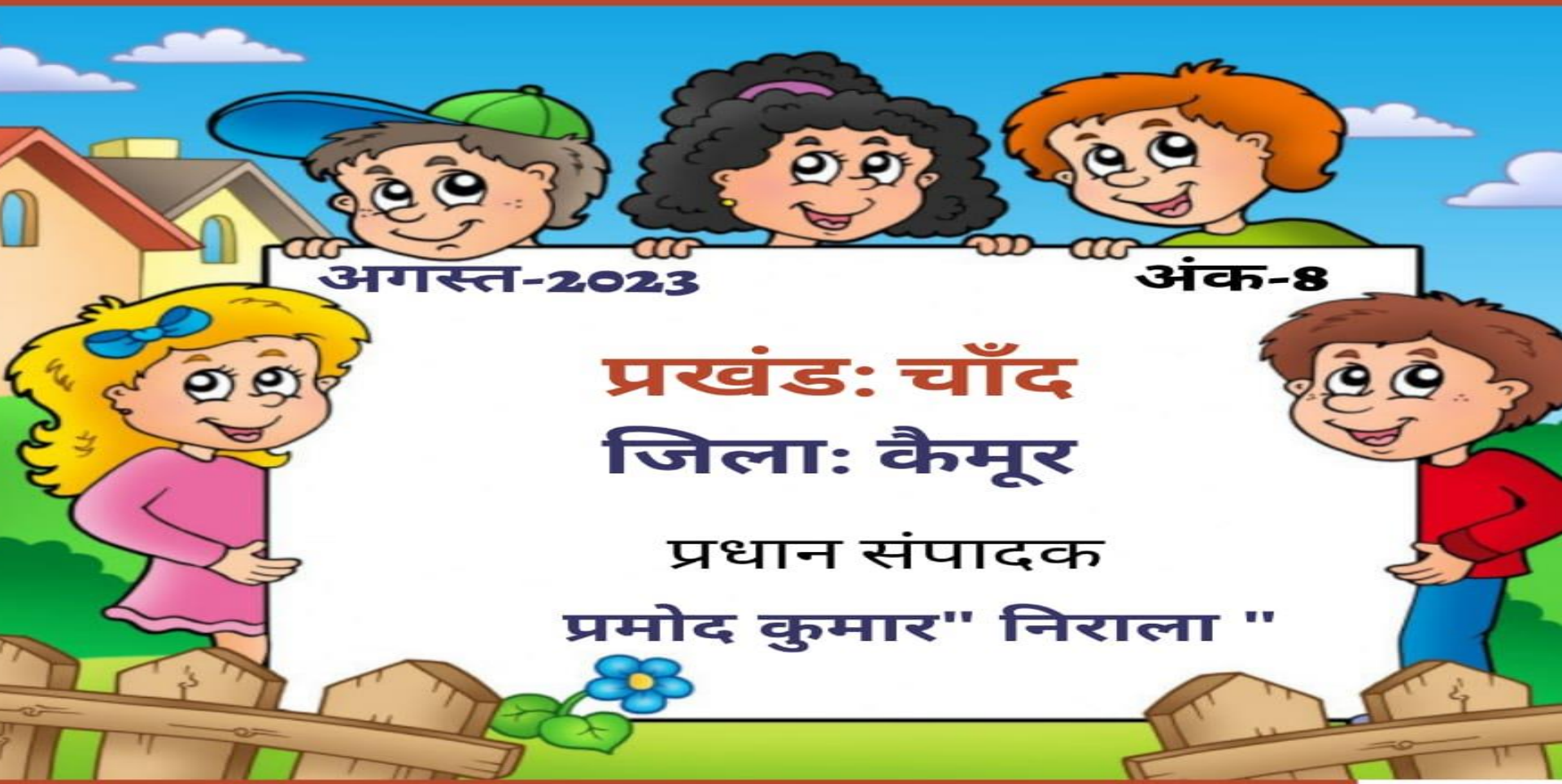

ramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |
wwww.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

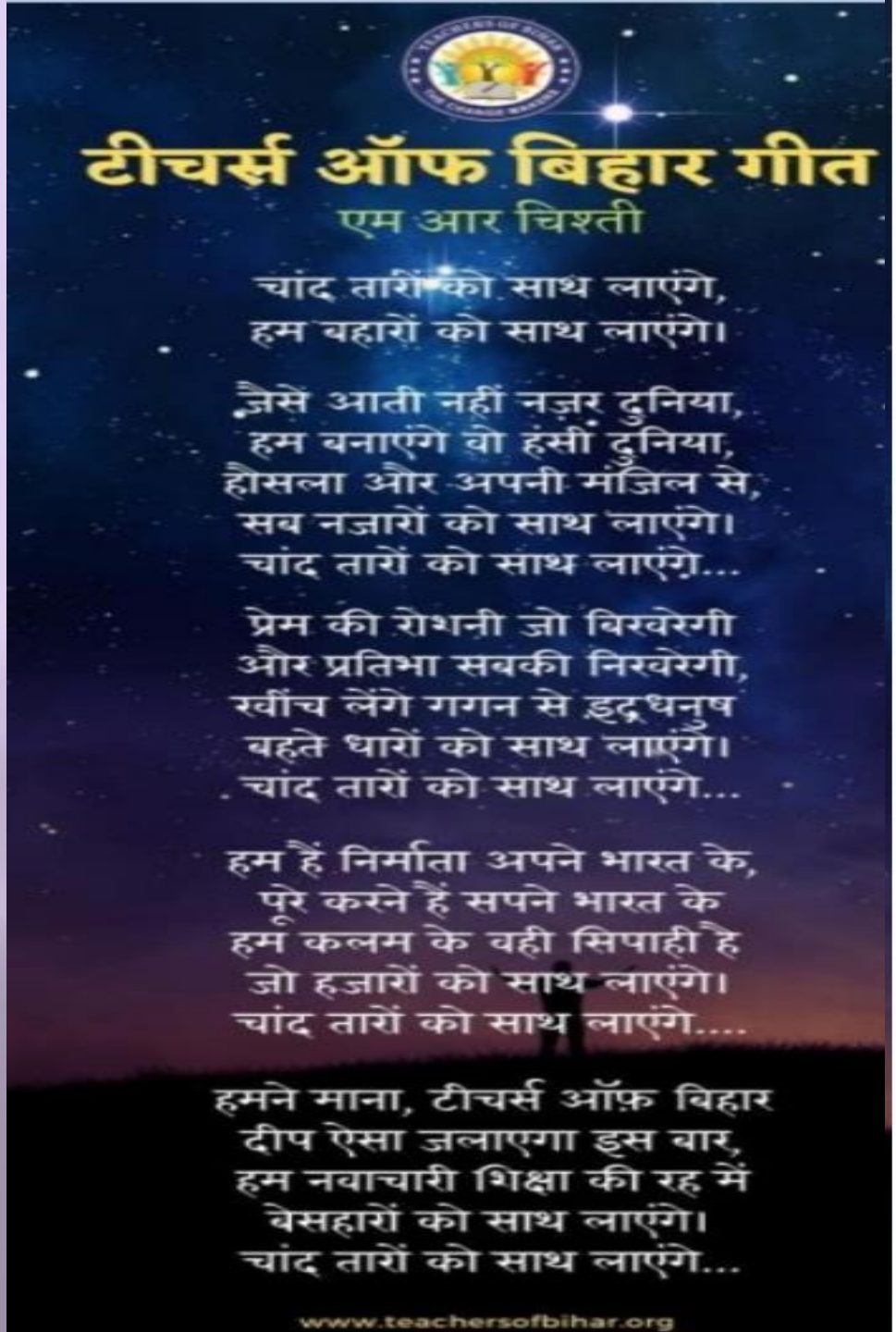

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से **"बाल मन कैमूर"** पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए **"बाल मन कैमूर"** के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

सावन मास, स्वतंत्रता दिवस में महान महापुरुषों की यादों को तरो-ताजा, देशभक्ति हेतु प्रेम- भावना, साथ ही रक्षाबंधन भाई- बहनों की आंखों में चमक, खेत में वर्षा के कारण फसलों में आई हरियाली को देखकर अभिभावक में आई खुशी को देखकर बच्चे आनंदित और प्रफुल्लित हो जाते हैं। पत्रिका के अष्टम अंक को समर्पित करते हुए, और आपकी रचनात्मक कला को देखकर अपार खुशी हो रही है। हम सभी सदैव आपकी रचनात्मक कला को सम्मानित करते हैं। आप सभी बच्चे अपने-अपने विद्यालय में निरंतर नवाचार करते रहे। अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दे, आपके पास कोई कला है तो उसको हम तक जरूर पहुंचाएं।

आप सभी के साथ हमारे बालमन चांद कैमूर की टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदा प्रयत्नशील है, अनजाने में कोई त्रुटियां भूल हुई है तो उसके लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं।

आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ।

आपका

प्रमोद कुमार

क.म.वि.चाँद , कैमूर

सहयोगी सदस्य

1-उदय पांडे, म.वि.चांद

2-मो.असलम, म.वि.चांद

3- प्रीति कुमारी,उ.म.वि.धोबहां

4-मीरा कुमारी,उ.माध्यमिक वि.भलुहारी

5-विनीतातिवारी, प्रा.वि.किशनपुरा

6- सुमन सिंह पटेल,क.म.वि.चांद

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

मेरा परिवार

मम्मी की लोरी है भाती।
पापा की है डांट रुलाती ।।
भैया के संग में खूब खेलता।
दीदी को मैं खूब छेड़ता।।
दादा मुझे खूब खेलाते ।
दादी मुझे संस्कार सिखाती।।
छोटा सा मेरा परिवार ।
लगता है प्यारा संसार।

UHS खनेठी भभुआ

ToB बालमन कविता

स फा ई

आओ चलाएं एक अभियान।
हम सब रखे यही ध्यान ।।

साफ सुथरा पहने कपड़ा ।
यहां वहां न फेंके कचड़ा ।।

सुबह उठकर रोज नहाए ।
हाथ धोकर खाना खाए।।

ताजी ताजी सब्जी लाए ।
बासी को ना हाथ लगाएं ।।

तन हो सुंदर मन हो सुंदर।
फुर्ती होगी अपने अंदर ।।

चलो उठो ले प्रभु का नाम।
सफाई करना अपना काम।।

मो0 शाहिद(शिक्षक)
उर्दू प्राथमिक विद्यालय

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाइयां।

/teachersofbihar

अशोक चक्र का हर एक तीली कुछ कहता है....

बालमन कविता

पृथ्वी दिवस

पृथ्वी दिवस पर अभियान चलाएं ,
एक- एक पौधा जरूर लगाएं।
धरती को बंजर होने से बचाएं,
चलो पृथ्वी दिवस मनाएं।।

पेड़ पौधे ही बरसा कराए,
धरती को स्वर्ग बनाए।
जल स्तर को बरकरार रख पाए,
एक एक पौधा जरूर लगाएं।।

पेड़ पौधे वर्षा कराए,
सबके चेहरे पर खुशियां लाए।
मिट्टी के कटाव को रोक पाए,
धरती को उपजाऊ बनाएं।।

पर्यावरण संतुलन को बनाएं,
धरती से सोना उपजाएं।
तभी जीवन सुलभ हो पाए,
एक एक पौधा जरूर लगाएं।।

हमें प्राणवायु दिलाए,
इससे फल फूल और औषधि पाएं।
हमें कागज लाह गोंद दिलाएं,
एक एक पौधा जरूर
लगाएं।।

अशोक कुमार (शिक्षक)
NPS भटवलिया,नुआंव
कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

अगस्त 2023

एक गिलास पानी

सरकारी कार्यालय में लंबी लाइन लगी हुई थी। खिड़की पर जो क्लर्क बैठा हुआ था, वह ल्ख़ मिजाज़ का था और सभी से तेज स्वर में बात कर रहा था।उस समय भी एक महिला डांटते हुए वह कह रहा था, "आपको ज़रा भी पता नहीं चलता, यह फॉर्म भर कर लायीं हैं, छ भी सही नहीं है। सरकार ने फॉर्म फ्री कर रखा है तो कुछ भी भर दो, जेब का पैसा लगता ो दस लोगों से पूछ कर भरतीं आप।"एक व्यक्ति पंक्ति में पीछे खड़ा काफी देर से यह देख हा था, वह पंक्ति से बाहर निकल कर, पीछे के रास्ते से उस क्लर्क के पास जाकर खड़ा हो ाया और वहीं रखे मटके से पानी का एक गिलास भरकर उस क्लर्क की तरफ बढ़ा दिया। लर्क ने उस व्यक्ति की तरफ आँखें तरेर कर देखा और गर्दन उचका कर 'क्या है?' का इशारा या।उस व्यक्ति ने कहा, "सर, काफी देर से आप बोल रहे हैं, गला सूख गया होगा, पानी पी ीजिये।"क्लर्क ने पानी का गिलास हाथ में ले लिया और उसकी तरफ ऐसे देखा जैसे किसी दूसरे ग्रह के प्राणी को देख लिया हो! और कहा, "जानते हो, मैं कड़वा सच बोलता हूँ, लिए सब नाराज़ रहते हैं, चपरासी मुझे पानी तक नहीं पिलाता!"वह व्यक्ति मुस्कुरा दिया और फिर पंक्ति में अपने स्थान पर जाकर खड़ा हो गया।

ब उस क्लर्क का मिजाज बदल चुका था, काफी शांत मन से उसने सभी से बात की और सबको अच्छे से सेवाएंदेनीशुरू की।शाम को उस व्यक्ति के पास एक फ़ोन आया, दूसरी तरफ वही क्लर्क था, उसने कहा, "भाई साहब, आपका नंबर आपके फॉर्म से लिया था, न्यवाद देने के लिये फ़ोन किया है। मेरी माँ और पत्नी में बिल्कुल नहीं बनती, आज भी जब मैं घर पहुंचा तो दोनों बहस कर रहीं थी, लेकिन आपका गुरुमंत्र काम आ गया।"
वह व्यक्ति चौंका, और कहा, "जी? गुरुमंत्र?"
ी हाँ, मैंने एक गिलास पानी अपनी माँ को दिया और दूसरा अपनी पत्नी को और यह कहा क गला सूख रहा होगा पानी पी लो। बस तब से हम तीनों हँसते-खेलते बातें कर रहे हैं।अब भाई साहब, आप आज हमारे घर पर खाने पर आइये।""जी! लेकिन, खाने पर क्यों?"

लर्क ने भर्राये हुए स्वर में उत्तर दिया, "गुरू माना है तो इतनी दक्षिणा तो बनेगी ना आपकी और ये भी जानना चाहता हूँ, एक गिलास पानी में इतना जादू है
तो खाने में कितना होगा ?

ToB बालमन कैमूर

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

1. क्लास समाप्त होने पर टीचर के बाहर निकलते ही एक विद्यार्थी अपने शिक्षक से...
छात्र: सर क्या मैं अभी कुछ पूछ सकता हूं?
शिक्षक (उत्साहित हो कर): हा.. हा...क्यों नही ?
छात्र: सर आप अभी आप कौन सा सब्जेक्ट पढ़ा रहे थे?
.....

2. विज्ञान शिक्षक : बताओ की .....
a.दूध क्यों उफन जाता है?
b. रोटी क्यों जल जाती है?
c. पानी क्यों बह जाता है ?
छात्र: मैं बताता हूं.....
मम्मी के द्वारा ज्यादा WhatsApp चलाने के कारण।

ToB बालमन कैमूर

अज़ब-गज़ब

1. छाता का प्रयोग शुरुआत में केवल धूप से बचने के लिए आज से लगभग 4000 वर्ष पूर्व मिस्र, ग्रीस और चीन आदि में किया जाता था।

2.केवल 1% ऐसे लोग है जो दोनो हाथो से लिखने की योग्यता रखते है।

3. देश के कुछ राज्यों में अच्छी बारिश के लिए पूरे रीति - रिवाज से मेढक और मेढकी की शादी कराई जाती है फिर उसे पानी में छोड़ दिया जाता है।

4. मरी हुई चीटी में से एक रसायन निकलता है जिससे अन्य चीटियों को उसके मृत होने का पता चलता है। अगर यह केमिकल किसी जिंदा चीटी पर गिर जाए तो अन्य चीटियां उसे मृत मान लेती हैं और उसे भी मरा समझकर वहां से उठाकर हटा देती हैं।

5.बिल्ली का पेशाब अँधेरे में भी चमकता है। बिल्ली के पेशाब में फॉस्फोरस होता है और जब ये फॉस्फोरस ऑक्सीजन के संपर्क में आता है तो वो चमकने लगता है.

धीरज कुमार
UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

बिहार पर्यटन: हरसु ब्रह्मधाम

बिहार के कैमूर जिले में एक ऐसा मंदिर है जिसे लोग भूत-प्रेत मुक्ति मंदिर कहते हैं। ये मंदिर कैमूर जिले के चैनपुर में स्थित है और इसका असली नाम हरसु ब्रह्माधाम है।कैमूर जिले के चैनपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चैनपुर बाजार स्थित हरसू ब्रह्म धाम मंदिर की ख्याति किसी से छुपी हुई नहीं है.।इसकी वजह यहां लोगों की दिन प्रतिदिन बढ़ती हुई आस्था है। मान्यता को जानकर यहां के प्रति लोगों की आस्था बढ़ती जा रही है. हरसू ब्रह्म की धूमधाम से जयंती समारोह मनायी जाती है। जिसमें अलग-अलग राज्यों के श्रद्धालु यहां पहुंचते है।

हरसू पांडे राजा शालिवाहन के मंत्री और राजपुरोहित थे।जिला मुख्यालय भभुआ से लगभग 11 km की दूरी पर चैनपुर से बाजार के रास्ते मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। नवरात्र के समय यहां मेला लगता है जिसमे कई राज्यों से लोग आते है।

तीरंदाजी

17 साल की अदिति ने वर्ल्ड आर्चरी में जीता गोल्ड: एक सीजन में दो टाइटल जीतने वाली दुनिया की पहली तीरंदाज बनीं

17 साल की तीरंदाज अदिति स्वामी ने वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में देश को पहला इंडिविजुअल गोल्ड दिलाया है। अदिति ने विमेंस कंपाउंड कैटेगरी में मैक्सिको की दो बार की वर्ल्ड चैंपियन एंड्रिया बकेरा को 149-147 से हराया।

नन्हें कलाकार

नन्हें कलाकार

प्रा. वि. भरूहिया , चांद, कैमूर

नन्हें कलाकार

उर्दू प्रा.वि. करवन्दिया, चांद,कैमूर

चेतना सत्र

उर्दू प्रा.वि. करवन्दिया, चांद,कैमूर

पेन वह पेन्सिल

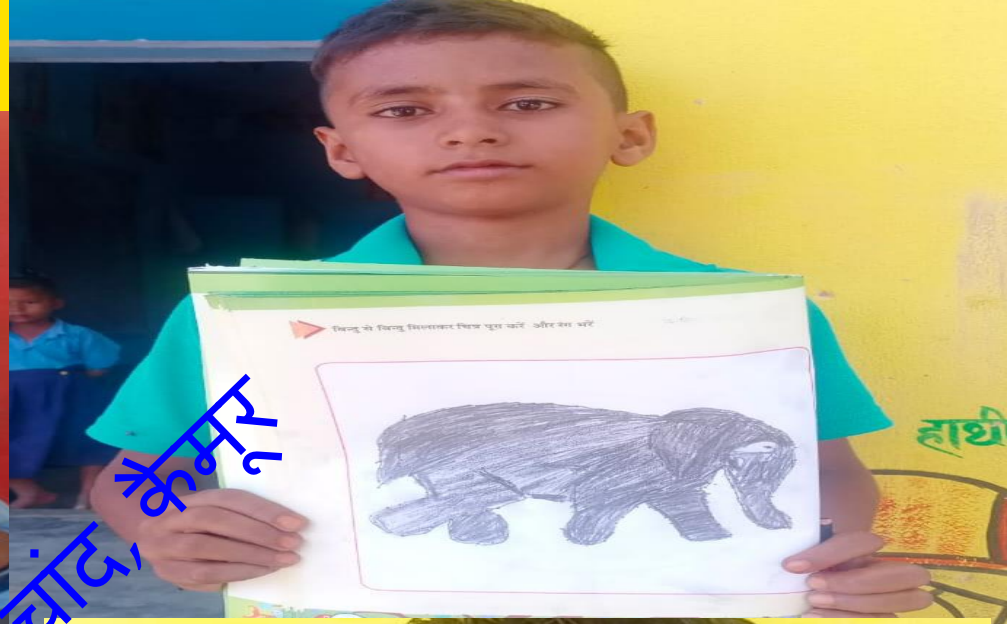

उ.म.वि.चन्दा , चांद, कैमूर

चहक

उर्दू प्रा.वि. करवन्दिया, चांद,कैमूर

चहक

कविता

चूहे की बारात चली, धूम धाम के साथ चली।
मेंढक, गिरगिट बने बराती, चले नाचते शुघर साथी।।
चिड़िया के घर आई बरात, आते- आते हो गई रात।
खूब छके सब ने पकवान, भांति- भांति के मेवा मिष्ठान।।
चूहा बोला दुल्हन लाओ, उसको मंडप में बैठाओ।
नहीं चाहिए हमें दहेज, दहेज से हमको है परहेज।।
हम चूहे ने कसम है खायी, दहेज न लेगा कोई भाई।
दहेज बहुत बड़ा अभिशाप, इससे बड़ा नहीं कोई पाप।।
चुहिया रानी खूब लजाती, बैठी मंडप में है शर्माती।
चुहिया संग ले फेरे सात, वापस घर आई बारात।।

खेल रहे थे हम, अपनी गली में क्रिकेट।
बदनसीबी तो देखो, टूट गया विकेट।।
जोश में मार दिए ,जोर का हमने चौका।
नुक्कड़ पर बैठा कुत्ता, भाउ-भाउ कर भोंका।।
कुत्ता बोला अब तो हम, लेकर रहेंगे बदला।
एक सिटी पर ही।।
चारऔर मित्रों को बुलाया ।
पूरे मोहल्ले में खूब,हमको वह दौड़ाया।।
बोला वह लेना चाहिए बराबर से ही पंगा।
वरना उसके साथ नहीं कुछ भी होगा चंगा।।

बालमन टीम चांद कैमूर

कहानी

छोटी चीज का काम बड़ा

एक हिरण गहरी नींद में सो रहा था। वह जोर-जोर से खर्राटे ले रहा था। खर्राटे की आवाज सुनकर पास के बिल से एक चूहा बाहर आया। उसने देखा कि सामने चमकदार ,सुनहरा हिरण सो रहा है खर्राटेके कारण हिरण का सुडौल शरीर देखने में सुशोभित हो रहा था। चूहे को अच्छा लगा चूहे कान के माध्यम से उसके शरीर में आकर झूला- झूला लगा। तभी हिरन की नींद खुली और हिरण को गुस्सा आया। उसने चूहे से कहा बेवकूफ तेरी हिम्मत कैसे हुई मेरे पेट पर चढ़ने की?

चूहा घबरा गया और माफी मांगने लगा, अब ऐसी गलती नहीं होगी। हिरण को दया आ गई ,उसने चूहे को जाने दिया। चूहे ने जाते-जाते कहा मित्र मेरी जरूरत पड़ेगी तब बतलाना आप बहुत अच्छे हैं आपने मुझे छोड़ दिया। मैं आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहूंगा।

चूहे की बात सुनकर हिरन हंसने लगा।

कुछ दिन बाद उस जंगल में एक शिकारी आया। उसने जाल बिछाया जिसमें वह हिरण फस गया और बचाओ-बचाओ पुकारने लगा। आवाज सुनकर पास बिल से वह चूहा निकला और हिरण को पहचान लिया। चूहे ने अपने दांतो के माध्यम से उस जाल को काट दिया और हिरण खुशी से झूम उठा तब उसने चूहे को बधाई दी और कहा कि आपने मेरी जान बचाई चूहे ने उसकी वह बात याद दिलाई कि आपने मुझे हंसी से छोड़ दिया था तब से दोनों मित्र बन गए

शिक्षा- कभी भी किसी को छोटा ना समझें कोई व्यक्ति कभी भी काम आ सकता है।

ज्योति कुमारी
वर्ग - 8
क. म. वि. चांद कैमूर

फोटो आंफ द मंथ

न्यू प्रा.वि.भेरी चांद
कैमूर

फोटो आंफ द मंथ

उर्दू प्रा.वि. करवन्दिया, चांद,कैमूर

फोटो आंफ द मंथ

उ.म.वि. पाढी , चांद, कैमूर

सोनी वर्ग-5 उ.उ.वि. चौरी, चांद, कैमूर

पर्दा उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया , चांद, कैमूर

TEACHER OF THE MONTH

नाम- अनिल कुमार पटेल
जन्मदिन -20 जनवरी 1984
शैक्षणिक योग्यता-
मैट्रिक -गांधी स्मारक चांद कैमूर 1980
इंटर -सरदार वल्लभभाई पटेल कॉलेज भभुआ
प्रशैक्षणिक योग्यता-
बी.टी.सी. फैजलगंज सासाराम रोहतास
अभिरुचि-किताब पढ़ना
नियुक्ति तिथि-10 अप्रैल 1994
कार्यरत- प्रधानाध्यापक
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
बगछरा चांद
कैमुर

कैमूर एक परिचय

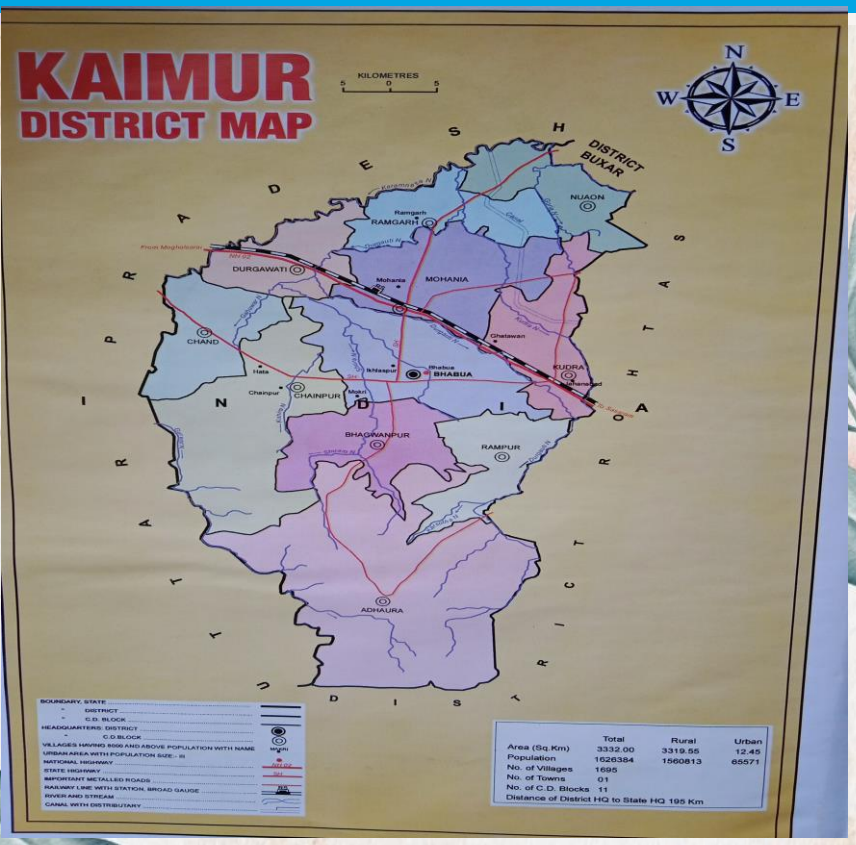

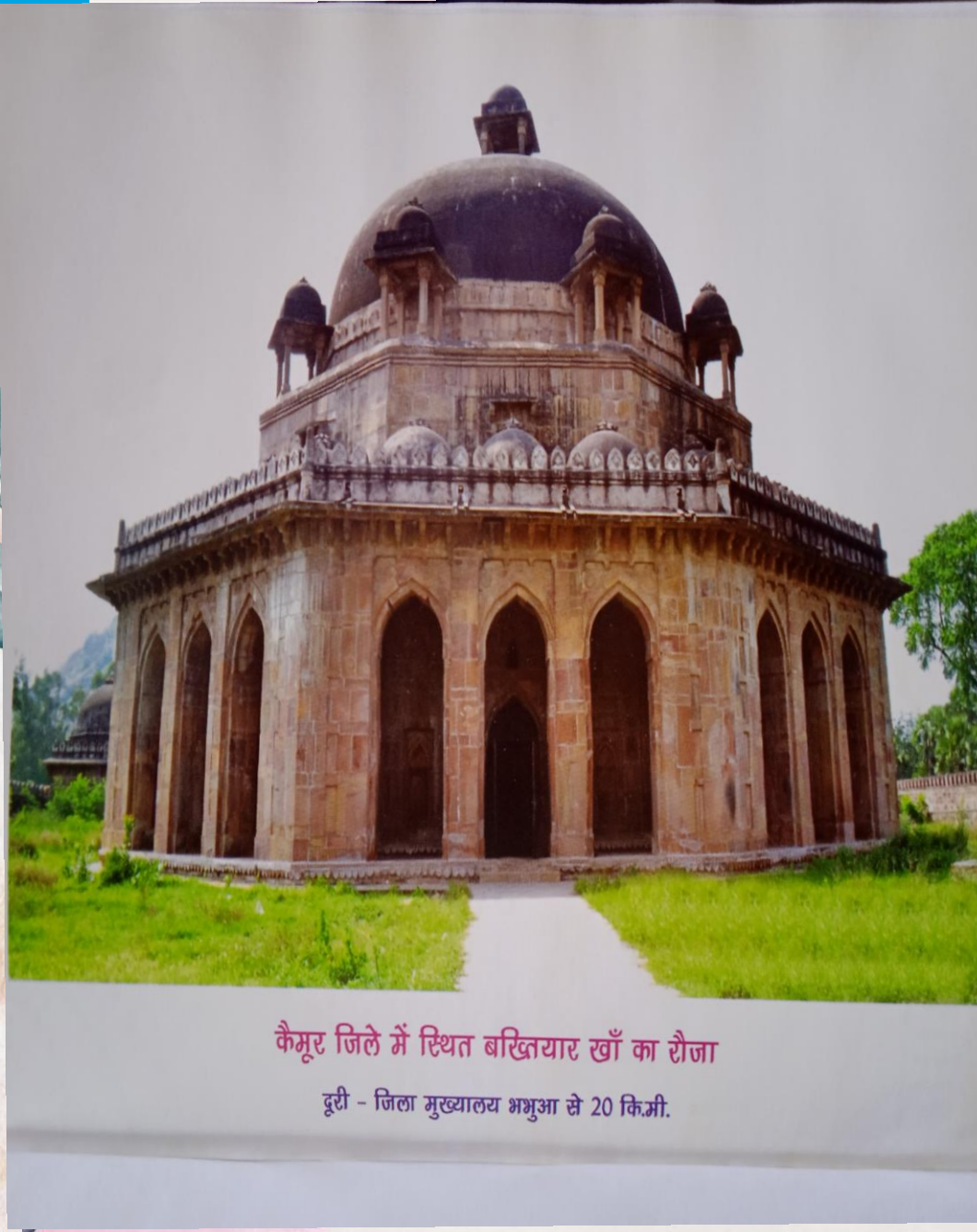

कैमूर जिले में स्थित बख्तियार खाँ का रौजा

दूरी - जिला मुख्यालय भभुआ से 20 कि.मी.

बालमन
टीम चांद
कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

+2 उच्च विद्यालय छांव दुर्गावती , कैमूर

महाबल भृगुनाथ+2उच्च वि. कोरिगावा, बहेरा, कैमूर

+2 उच्च विद्यालय छांव दुर्गावती , कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

म.वि.भर्रा, मोहनिया, कैमूर

प्रा.वि.मोहम्दपुर

Chahak Utsav P.S
Makrikhoh bhagwanpur
kaimur bihar

कलाकृति

अनु.जा.उ.म.वि.सिकठी भभुआ, कैमूर

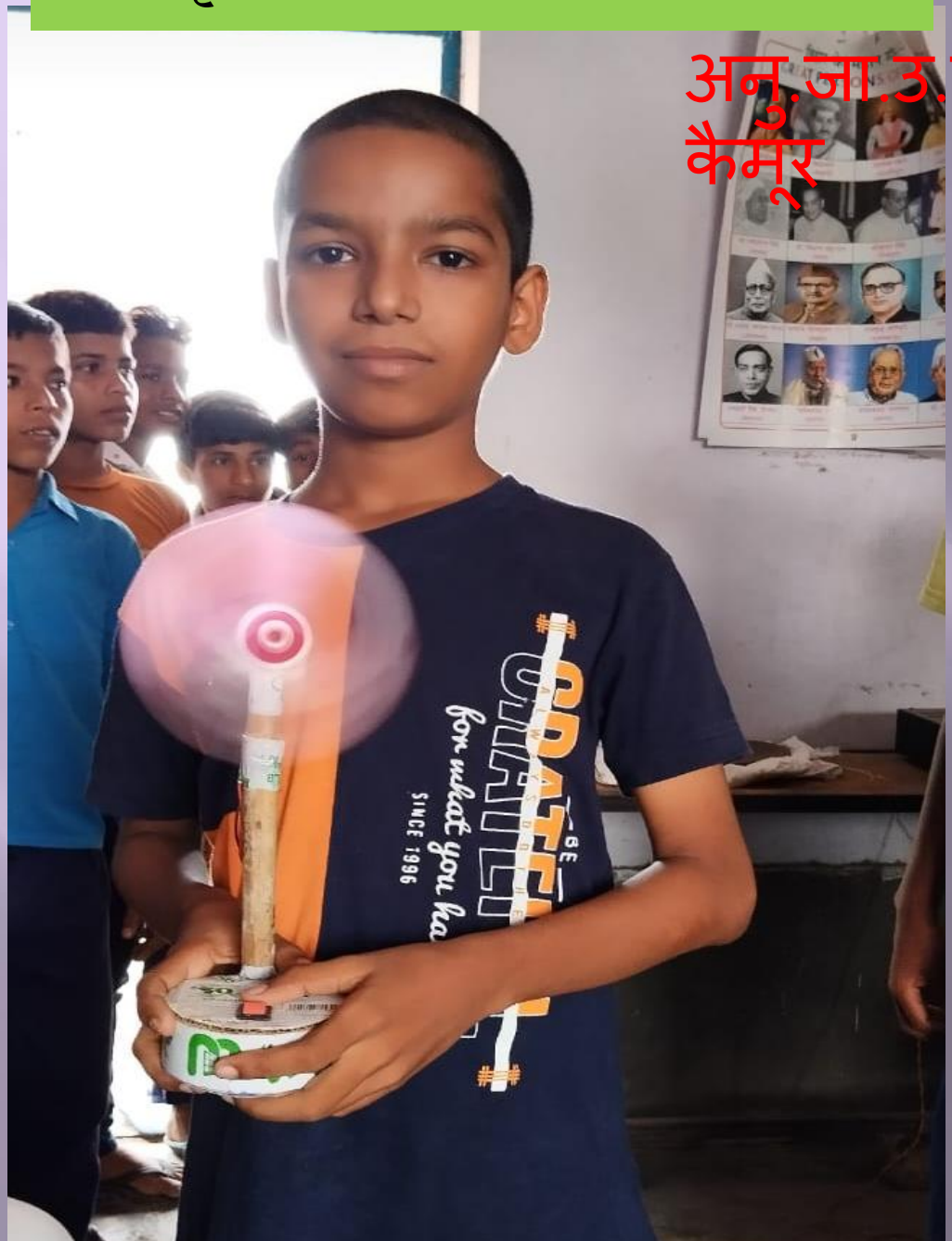

दुसर प्रखंड आपन जिला

म.वि.अर्सा मोहनिया कैमूर

उ.म.वि.भोखरी भभुआ कैमूर

दुसर जिला आपन राज्य

उ.म.वि.भैसदीरा, बरारी, कटिहार

मधु वर्ग-6
उ.म.वि.झिटकईया रामपुर , वैशाली

दूसर जिला आपन राज्य

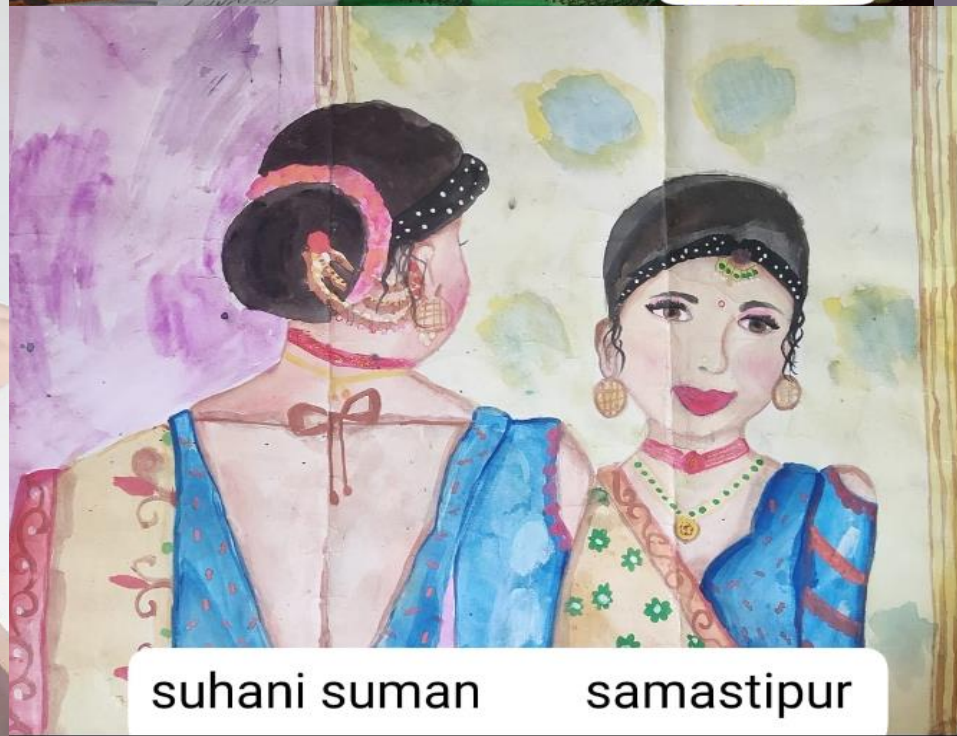

दुसर राज्य आपन देश

कृति जयसवाल
वाराणसी

मैंने हार मान ली ,
पर मेरे मां बाप ने नहीं मानी
लोग जो मर्जी कहे पर ,
मेरे मां-बाप मेरी हर मुश्किल में साथ
ने चलना बताया ,
मां ने हंसना सिखाया,
मेरे मां-बाप ने मुझे जिंदगी
की हर जंग का सामना करना बताय
बिखरते बिखरते समेटा है मुझे, गिरते
संभाला है मुझे ,
रोते-रोते हंसाया है मुझे ,
लोगों से जलकर नहीं अपनी
मेहनत से आगे बढ़ना सिखाया है,
मेरे मां-बाप ने मुझे ।

संजना
कांगड़ा / हिमाचल प्रदेश

जिंदगी में भरोसा करना है
तो अपने पर करना
न कि अपनो पर।
दुनिया है ये मतलब की
न की अपनेपन की।
जो करते है अपनेपन का दावा
वो ही करते है दिखावा।
इसलिए जिंदगी में
भरोसा करना है तो
अपने पर न की अपनो के पर।

तृषा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

कलाकृति

प्रियंशा वर्ग-5
न्यू प्रा.वि.भेरी
, चांद, कैमूर

दिव्या वर्ग-6
उ.म.वि.बसहा
चांद कैमूर

कलाकृति

उ.म.वि.पाढी, चाद, कैमूर

कहानी

एक क्लास की कहानी

एक क्लास में एक शिक्षक होता है। वह बड़ी ही खडूस होता है। वह हर बात पर बच्चों को डाटता है। एक दिन वह एक बच्चे को वर्ग में देर से आने की वजह से वर्ग से बहार निकाल देता है। थोड़ी देर बाद जब शिक्षक वर्ग से निकलता है। तो बच्चा गेट पर रो रहा होता है। शिक्षक जब रोने की वजह पूछता है। तो बच्चा बताता है कि उसका भाई बिमार है। और घर पर कोई नहीं है दवाई लाने के लिए वह दवा लेने गया था। इसलिए देर हो गया। शिक्षक को बातों को सुनकर बड़ा अफसोस होता है कि और वह बच्चे को अंदर बुला लेता है।

सिख : बिना सोचे या जाने फैसला नहीं लेना चाहिए।

लेखक :- अंजू - कुमारी

वर्ग ⇒ सात क्रमांक ⇒ 1

विद्यालय ⇒ उत्क्रमित उच्च मध्य विद्यालय चौ

एक क्लास की कहानी

एक क्लास में एक शिक्षक होता है। वह बड़ी ही खडूस होता है। वह हर बात पर बच्चों को डाटता है। एक दिन वह एक बच्चे को वर्ग में देर से आने की वजह से वर्ग से बहार निकाल देता है। थोड़ी देर बाद जब शिक्षक वर्ग से निकलता है। तो बच्चा गेट पर रो रहा होता है। शिक्षक जब रोने की वजह पूछता है। तो बच्चा बताता है कि उसका भाई बिमार है। और घर पर कोई नहीं है दवाई लाने के लिए वह दवा लेने गया था। इसलिए देर हो गया। शिक्षक को बातों को सुनकर बड़ा अफसोस होता है कि और वह बच्चे को अंदर बुला लेता है।

सिख : बिना सोचे या जाने फैसल नहीं लेना चाहिए।

लेखक :- अंजू - कुमारी

वर्ग ⇒ सात क्रमांक ⇒ 1

विद्यालय ⇒ उत्क्रमित उच्च मध्य विद्यालय चौ

कलाकृति

मुकेश
वर्ग-5
क.म.वि.
चांद,
कैमूर

काजल वर्ग-6
उ.म.वि.बसंहा , चांद,
कैमूर

सामाजिक जागरूकता

पूनम वर्ग-6
उ.म.वि.बसंहा, चांद, कैमूर

मध्याह्न भोजन

विज्ञान प्रदर्शनी

उ.म.वि. धोबहा, चांद कैमूर

रीना कुमारी वर्ग-8

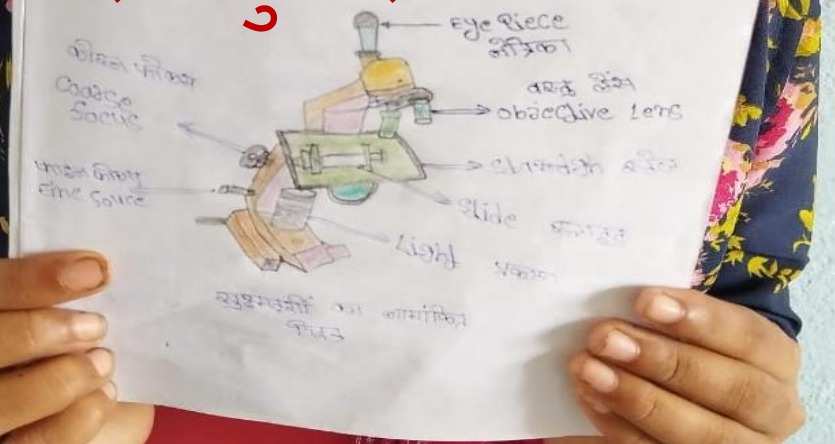

INDU KUMARI
CLASS-8

आंगनबाड़ी केंद्र पाढ़ी, चांद, कैमूर

महत्वपूर्ण दिवस

2 अगस्त -मित्रता दिवस
10 अगस्त-विश्व जैव ईंधन दिवस
15 अगस्त-स्वतंत्रता दिवस
19 अगस्त-मानवीय दिवस
20 अगस्त-अक्षय ऊर्जा दिवस
26 अगस्त-महिला समानता दिवस
30 अगस्त-लघु उद्योग दिवस

बालमन टीम चांद कैमूर

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

Thank you